



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

12 वैशाख 1939 (श0)

(सं0 पटना 352) पटना, मंगलवार, 2 मई 2017

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

23 फरवरी 2017

सं0 22 नि0सि0 (सिवान)—11-11/2015-288—श्री दिनेश्वर कुमार सिंह (आई0 डी0-4005), तत्कालीन अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सारण नहर अवर प्रमण्डल, छपरा सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमण्डल, बनमनखी (पूर्णिमा) के अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सारण नहर अवर प्रमण्डल, छपरा के पद पर पदस्थापन अवधि के दरम्यान सारण नहर प्रमण्डल, छपरा के अन्तर्गत वर्ष 2001-02 एवं 2002-03 खरीफ अवधि में बिना प्राक्कलन एवं श्रम शक्ति की स्वीकृति कराये मौसमी मजदूरों को रखकर दायित्वों के सृजन करने संबंधी मामले की जाँच विभागीय उड़नदस्ता द्वारा की गयी। उड़नदस्ता अंचल द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन पत्रांक 87 दिनांक 28.09.15 की समीक्षोपरान्त प्रतिवेदित अनियमित कृत के बिन्दु पर सहमत होते हुए जाँच प्रतिवेदन की छायाप्रति संलग्न कर विभागीय पत्रांक 1711 दिनांक 08.08.16 द्वारा श्री सिंह से स्पष्टीकरण की माँग की गयी।

उक्त के आलोक में श्री सिंह द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण के जवाब में निम्न तथ्यों का उल्लेख किया गया है:—

- ये दिनांक 09.08.99 से 25.01.02 तक सारण नहर अवर प्रमण्डल, छपरा में पदस्थापित थे।
- वर्ष 2001-02 में खरीफ सिंचाई हेतु मौसमी मजदूरों के भुगतान हेतु प्राक्कलन स्वीकृति हेतु कार्यपालक अभियंता द्वारा अधीक्षण अभियंता, सारण नहर अंचल, गंडक योजना, छपरा को समर्पित किया गया था। पुनः प्रमण्डल के पत्रांक 05 दिनांक 04.01.02 से प्राक्कलन समर्पित किया गया था। प्राक्कलन सक्षम प्राधिकार द्वारा स्वीकृत नहीं किये जाने के कारण भुगतान में विलम्ब हुआ है।
- ज्ञातव्य हो कि नहरों में जलश्राव कराने हेतु नहर पर अवस्थित HR/CR तथा नहर के देख-रेख के दृष्टिकोण से मौसमी मजदूरों का प्रावधान मुख्य अभियंता, सिवान के प्रत्येक वर्ष के मापदण्ड के अनुसार किया गया था।
- ये दिनांक 25.01.02 को सारण नहर अवर प्रमण्डल, छपरा का प्रभार श्री कृष्णदेव प्रसाद, सहायक अभियंता को सौंप दिये। अतः वर्ष 2002-03 में ये उक्त प्रमण्डल में पदस्थापित नहीं रहे हैं।

मामले की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। समीक्षा में पाया गया कि श्री सिंह द्वारा कहा गया है कि वे दिनांक 09.08.99 से 25.01.02 तक अवर प्रमण्डल, छपरा में पदस्थापित रहे हैं तथा मजदूरों के रखने के संबंध में कहा गया है कि वर्ष 2001-02 में मौसमी मजदूरों के भुगतान हेतु प्राक्कलन समय पर समर्पित किया गया था तथा मुख्य अभियंता द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप तटबंध के देख-रेख तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से मौसमी मजदूरों को

रखकर पटवन कार्य कराया गया है। परन्तु प्राक्कलन की स्वीकृति तथा आवंटन के अभाव में भुगतान लम्बित रहा है। श्री सिंह द्वारा उपरोक्त कथन से संबंधित कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है।

श्री सिंह के उपरोक्त कथन तथा संचिका में उपलब्ध अभिलेखों से परिलक्षित होता है कि वर्ष 2001-02 में बिना प्राक्कलन एवं श्रम शक्ति की स्वीकृति प्राप्त किये ही इनके द्वारा मौसमी मजदूर रखा गया है। यहाँ तक कि मजदूरों के रखने हेतु किसी भी उच्च पदाधिकारी से अनुमति तक भी प्राप्त नहीं किया गया है। ऐसी स्थिति में आरोपी के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं माना जा सकता है तथा वर्ष 2001-02 में बिना अनुमति प्राप्त किये विभागीय नियम के विरुद्ध बगैर प्राक्कलन एवं श्रम शक्ति के स्वीकृति प्राप्त किये ही मौसमी मजदूरों को रखकर अनावश्यक रूप से कुल ₹0 59,330/- (उनसठ हजार तीन सौ तीस) रुपये का सृजन होने में इनकी सहभागिता मानी जा सकती है जिसके लिए श्री सिंह दोषी हैं। अतएव सरकार द्वारा श्री सिंह से सरकार को पहुँचाई गयी वित्तीय क्षति ₹0 59,330/- मात्र की वसूली उनके वेतन से किये जाने की शास्ति अधिरोपित करने का निर्णय लिया गया है।

सरकार के उक्त निर्णय के आलोक में श्री दिनेश्वर कुमार सिंह (आई0 डी0-4005), तत्कालीन अवर प्रमण्डल पदाधिकारी, सारण नहर अवर प्रमण्डल, छपरा सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमण्डल, बनमनखी (पूर्णिमा) को सरकार को पहुँचाई गयी वित्तीय क्षति ₹0 59,330/- (उनसठ हजार तीन सौ तीस) मात्र की वसूली उनके वेतन से करने का दण्ड दिया एवं संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
जीउत सिंह,  
सरकार के उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 352-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>